"पूर्वदेवा"

सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

PURVADEVA -A Research Journal of Social Sciences

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,नईदिल्ली (UGC) द्वारा अनुमोदित–अनुक्रमांक 48433.)

● ISSN N0.0974-1100 & R.N.I. Registration No. 61954 / 95. ●

मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी प्रकाशन

❐ सम्पादक ❐

डॉ. हरिमोहन धवन

❐ सम्पादन परामर्श ❐

डॉ. जयप्रकाश कर्दम

वरिष्ठ साहित्यकार एवं सम्पादक, दलित साहित्य वार्षिकी, नईदिल्ली

डॉ. रामगोपाल सिंह

पूर्व आचार्य, बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, महू

डॉ. रहमान अली

पूर्व आचार्य,प्रा.भा.इतिहास,संस्कृति व पुरातत्व अध्ययनशाला,विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

❐ सम्पादक मण्डल ❐

डॉ. अरूण वर्मा

पूर्व आचार्य, हिन्दी, शास. माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन

डॉ. शैलेन्द्र पाराशर

अध्यक्ष– डॉ. अम्बेडकर पीठ, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

डॉ. आर. के. अहिरवार

विभागाध्यक्ष– प्रा.भा.इतिहास,संस्कृति व पुरातत्व अध्ययनशाला,विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

डॉ. एच.एम. बरूआ

पूर्व आचार्य, समाजशास्त्र, शास. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन

❐ प्रकाशक एवं मुद्रक ❐

पी. सी. बैरवा

❐ स्वात्वाधिकारी ❐

मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी,

बाणभट्ट मार्ग, सेन्ट्रल स्कूल के सामने, उज्जैन (म.प्र.)

❐ सहयोग ❐

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नईदिल्ली

❐ सम्पादन व प्रकाशन सर्वथा अवैतनिक एवं अव्यवसायिक ❐

●पूर्वदेवा में प्रकाशित लेख एवं उनमें व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार है.●

सम्पादक व प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है.

"पूर्वदेवा"

मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी की त्रैमासिक सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

"**पूर्वदेवा**" के प्रकाशन का उद्देश्य मुख्यतः भारतीय समाज व्यवस्था में व्याप्त मानवीय विषमताओं के उन्मूलन, दलितों में मानवीय–अस्मिता बोध एवं अधिकार चेतना उत्पन्न करने और तद्जनित सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर मानवीय मूल्यों की स्थापना के निमित्त ऐतिहासिक एवं सामाजिक आधार पर विविधपक्षीय, तथ्यपूर्ण एवं शोधपरक अध्ययन एवं चितन को प्रवर्त करना है। जिससे कि दलित, सर्वहारा वर्ग का सामाजिक–सांस्कृतिक धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षणिक आदि क्षेत्रों में समुचित विकास एवं मानवीय सम्मान का मार्ग प्रशस्त किया जा सके और देश में राष्ट्रीय एकरूपता और सामाजिक न्याय एवं सहिष्णुता की भावना अपना वास्तविक आकार ग्रहण कर सके।

अकादमी द्वारा शोध पत्रिका "**पूर्वदेवा**" का विगत **22** वर्षों से निरन्तर प्रकाशन किया जा रहा है एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,नईदिल्ली (UGC) द्वारा अनुमोदित तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद**,** नईदिल्ली (ICSSR), से मान्य एवं पोषित है।

अतऐव, इस हेतु विद्वान लेखकों, प्राध्यापकों, अनुसंधानकर्ताओं से सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में रचित मौलिक शोध आलेख एवं अनुभवजन्य तथ्यपरक लेख, सर्वेक्षण रिपोर्ट पुस्तक समीक्षाऐं प्रकाशनार्थ आमंत्रित है।

- लेखकों से आग्रह है कि अपने हस्ताक्षरित लेख (हिन्दी) दो प्रतियों में कृतिदेव फॉण्ट साईज–14. PM-5. में टाईप सी.डी. तथा एक प्रिंटआउट सहित भेंजे या ई–मेल करें।
  E-mail ID : mpdsaujn@gmail.com & purvadeva@yahoo.com
- प्रत्येक आलेख के साथ आवश्यकतानुसार "फुटनोट्स" या सन्दर्भ सूची अवश्य संलग्न की जाना चाहिऐ।
- सामान्यतःलेख हिन्दी में लिखे हों,विशेषस्थिति में अंग्रेजी में लिखे लेख भी स्वीकार किये जा सकेगें।
- लेख अन्यत्र प्रकाशित नहीं होना चाहिए। हाँ, यदि लेख किसी अन्य भाषा में प्रकाशित हो चुके हो तो उनका हिन्दी अनुवाद भी अपवाद रूप में प्रकाशनार्थ स्वीकार किया जा सकता है।
- सम्पादक मण्डल को किसी भी लेख को प्रकाशन हेतु स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार है। अतः वापसी हेतु रचना के साथ लेखक का पता लिखा लिफाफा उपयुक्त डाक टिकट के साथ होना चाहिए।
- समीक्षार्थ नव प्रकाशित पुस्तकों की दो प्रतियाँ प्रेषित की जाना चाहिए।
- प्रत्येक पुस्तक समीक्षा लेख के साथ समीक्षित पुस्तक की एक प्रति अवश्य संलग्न की जाना चाहिए।

विशेष अनुरोध–"**पूर्वदेवा**" का सतत् प्रकाशन सुधी पाठकों एवं लेखकों के उदार लेखकीय एवं वित्तीय सहयोग पर निर्भर है। अतऐव, पत्रिका के सदस्यता ग्रहण कर, अपना आत्मीय सहयोग प्रदान करें।